सरकारी स्कूल के छात्रों को रियायती दर पर कॉपियां

सिटी रिपोर्टर • सरकारी स्कूल के बच्चों को किताबें तो निशुल्क मिलती रही हैं, लेकिन कॉपियों अब भी खरीदना पड़ती हैं। अब सरकार बच्चों को रियायती दामों पर कॉपियां उपलब्ध कराएगी। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इसकी प्रक्रिया तय की जा रही है। वहीं इस साल से गणवेश के मामले में भी नीति बदली गई है। अब गणवेशों के पैसे खाते में भेजने की बजाए स्व सहायता समूहों से उन्हें तैयार करवाया जाएगा।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कोज्या के कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल बना उदाहरण

छात्रावास में पढ़ाई कर आत्मनिर्भर बनीं छात्राएं, एक ने गांव की सरपंची संभाली

भास्कर संवाददाता | नीमच

पढ़ाई के लिए उन्होंने अपना घर छोड़ा, छात्रावास में रही और पढ़ाई पूरी कर आत्मनिर्भर बनी। कोई सरकारी तो कोई निजी कंपनी में तो कोई सरपंच बनकर पंचायत चला रही है। ये छात्राएं आज अपने पैरों पर खड़ी है और दूसरी छात्राओं के लिए उदाहरण बन गई है।

आदिम जाति कल्याण विभाग के उप संचालक राकेश राठौर ने बताया जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कोज्या में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में अध्ययन कर लक्ष्मी प्रेमपुरा गांव में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, नंदु पिता भाना रामपुरिया में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, राधा पिता प्यारचंद राजस्थान के गोपालपुरा की सरपंच, लीला उदयराम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में सेवाएं देते हुए आत्मनिर्भर बनी है। श्यामा डीएड में अध्ययनरत है। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हरवार से शिक्षा प्राप्त कर छाछ खेड़ी की रेखा पिता कन्हैयालाल आज निजी कंपनी में सेल्स एक्जीक्यूटिव है। गोपालपुरा की विद्या पिता सागरमल मीणा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, जमना पिता मिट्ठूलाल मीणा मेवाड़ कॉलेज में नर्सिंग में अध्ययनरत होकर ट्यूटर भी है। केलुखेड़ा की विष्णु पिता बंशीलाल भील कम्प्यूटर एज्युकेशन डिप्लोमा में मोटीवेशन टीम की सदस्य के रूप में विद्यालय का नाम रोशन कर रही है।

छात्राएं जो अपने पैरों पर खड़ी होकर उदाहरण बनी है।

संविदा शिक्षक वर्ग-एक की परीक्षा मार्च में कराने की तैयारी में शासन

इस साल अगस्त से पहले तीनों वर्ग की होगी परीक्षा, नया शेड्यूल बनाया

भोपाल। नवदुनिया स्टेट ब्यूरो

अध्यापक, पंचायत सचिव और किसानों के बाद राज्य सरकार बेरोजगारों को साधने की जुगत में लग गई है। पांच साल से अटकी संविदा शाला शिक्षक चयन परीक्षा सरकार हर हाल में अगस्त से पहले कराने की कोशिश कर रही है। तीन चरणों में होने वाली इस परीक्षा को स्कूल शिक्षा विभाग मार्च से शुरू करने की रणनीति बना चुका है। पहले चरण में वर्ग-एक के 10 हजार 905 पदों के लिए परीक्षा कराई जाएगी। वहीं, संविदा शिक्षक चयन परीक्षा के भर्ती नियम में भी सभी संशोधन कर लिए गए हैं।

प्रदेश में शिक्षकों के 70 हजार से ज्यादा पद खाली हैं। पांच साल से भर्ती भी नहीं हुई है। मंत्रिपरिषद ने डेढ़ साल पहले 31 हजार 658 पदों पर भर्ती की

मंजूरी दी है, लेकिन सरकार इस अवधि में भर्ती नियम भी फाइनल नहीं कर पाई। अब परीक्षा कराने की कोशिशें तेज हुई हैं। विभाग ने नया शेड्यूल तय किया है। इसके मुताबिक संविदा शाला शिक्षक वर्ग-एक की चयन परीक्षा मार्च, वर्ग-दो की परीक्षा अप्रैल और वर्ग-तीन की परीक्षा जून या जुलाई में कराई जाएगी। विभाग ये प्रस्ताव प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड (पीईबी) को भेज रहा है।

बोर्ड पहले से तैयार

संविदा शिक्षक की चयन परीक्षा को लेकर पीईबी पहले से तैयार है। बोर्ड को सिर्फ प्रस्ताव और परीक्षा कराने के लिए अधिकतम एक माह का समय चाहिए है। चूंकि मामला सरकार की प्राथमिकता से जुड़ा है। इसलिए बोर्ड पहले से तैयारी पूरी किए हुए है।

वर्ग-दो के पद सबसे ज्यादा : स्कूल शिक्षा विभाग और पीईबी दोनों संविदा शिक्षक वर्ग-तीन की परीक्षा को महत्वपूर्ण मानकर चल रहे हैं। इस परीक्षा में सबसे अधिक (12 से 15 लाख) उम्मीदवार शामिल होने की उम्मीद है। जबकि सबसे कम 9 हजार 540 पद वर्ग-तीन में ही हैं। सबसे ज्यादा 11 हजार 200 पद वर्ग-दो में हैं। जबकि दूसरे क्रम में वर्ग-एक है, इसमें 10 हजार 905 पद हैं।